19. वाक्य विचार

वाक्य विचार व्याकरण शास्त्र का तीसरा मुख्य अंग है। इसके अंतर्गत वाक्यों की रचना पर विचार किया जाता है। वर्णों के सार्थक मेल से शब्द बनते हैं और शब्दों के सार्थक क्रम से वाक्यों को निर्माण होता है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका पृष्ठ 127 पर दिए वाक्य पढ़ें। तदुपरांत वाक्य कैसे बनते हैं, यह समझाएँ।
- ❖ छात्रों को समझाएँ कि वह सार्थक शब्द समूह जो एक निश्चित एवं पूर्ण अर्थ प्रकट करता है, वाक्य कहलाता है। वाक्य कई शब्दों के योग से बनता है।
- ❖ वाक्य के दो अंग होते हैं– उद्देश्य और विधेय। इनके बारे में सविस्तार समझाएँ।
- ❖ बताएँ, वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाता है, वह वाक्य का कर्ता उद्देश्य कहलाता है।
- ❖ वाक्य में कर्ता के बारे में जो कुछ कहा जाता है, वह विधेय होता है।
- ❖ ब्लैकबोर्ड पर वाक्य लिखकर उसमें उद्देश्य और विधेय बताएँ।
- ❖ उद्देश्य तथा विधेय का विस्तार कैसे क्रिया जाता है, पृष्ठ 128 पर दिए उदाहरणों द्वारा समझाएँ।
- ❖ छात्रों को वाक्य के भेदों से परिचित कराएँ।
- ❖ समझाएँ, अर्थ के आधार पर और रचना के आधार पर वाक्यों के भेद किए जाते हैं।
- ❖ रचना के आधार पर सरल, संयुक्त और मिश्र वाक्य आते हैं।
- ❖ अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ प्रकार होते हैं।
- ❖ सभी भेदों का उदाहरण सहित समझाएँ।
- ❖ वाक्य बोलकर छात्रों को उनका वाक्य भेद बताने को कहें।
- ❖ छात्रों को वाक्य परिवर्तन करना सिखाएँ।
- ❖ सुनिश्चित करें सभी छात्र भली-भाँति विषय समझ गए हैं।
- ❖ 'अब तक हमने सीखा' में दिए बिंदुओं द्वारा विषय की पुनरावृत्ति करवाएँ।